आदरणीय महोदय/महोदया,

आप अवगत हैं कि संविधान में 6-14 वर्ष तक के बच्चों को निश्चल और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था है। अतः हमारा यह नैतिक दायित्व है कि उक्त आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को विद्यालय में प्रवेश दिला कर प्रारंभिक शिक्षा सुलभ करायी जाय। शिक्षा से न केवल बौद्धिक विकास होता है अपितु रूढ़िवादिता एवं अध्ययनवाद से मुक्त एक बेहतर समाज का निर्माण होता है। बच्चे इस श्रंखला की अदृश्य कड़ी है। प्रारंभिक शिक्षा की सुविधा में भारतीय सरकार की प्राथमिकता है। भारतीय सरकार बच्चों को निश्चल पाठ्य-पुस्तक एवं नियमित गुणवत्तायुक्त दोपहर का भोजन उपलब्ध कराने तथा उनके शिक्षण-प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था हेतु कृत्यसंकल्प है।

नया शैक्षिक सत्र 01 अप्रैल, 2015 से प्रारंभ हो रहा है। घर-घर जाकर अभिभावकों को जागरूक करने, उन्हें शिक्षा के महत्त्व से परिचित कराने, अधिकाधिकारी वाला-वालकों का नामांकन कराने एवं उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से मेरी सरकार द्वारा 01 मार्च 2015 से 31 मार्च 2015 तक प्रदेश में “स्कूल चलो अभियान” संचालित किया जा रहा है।

समानांतर समानांतरीतिनिधि होने के नामे “स्कूल चलो अभियान” को सफल बनाने में आपकी महत्त्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत अपसे अनुरोध है कि कृपया इस पुनर्दृष्टि कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का कार्य करें जिससे अधिकाधिकारी बच्चों का विद्यालय में प्रवेश तथा उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

गृहो आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हम सबके इस प्रयास से सर्व शिक्षा अभियान की सफलतापूर्वक लागू करने तथा प्रदेश में साक्षरता दर को बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

सादर,

भवदीय,

(अखिलेश यादव)

श्री
मान सदस्य
लोक सभा/राज्य सभा,
उत्तर प्रदेश

राजस्थान
आदरणीय महोदय/महोदया,

आप अवगत हैं कि संविधान में 6-14 वर्ष तक के बच्चों को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था है। अतः हमारा यह नैतिक दायित्व है कि उक्त आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को विद्यालय में प्रवेश दिला कर प्रारंभिक शिक्षा सुलभ करायी जाय। शिक्षा से न केवल बौद्धिक विकास होता है अपितु रुद्धिव्यवस्था एवं अध्यवस्थास से मुक्त एक बेहतर समाज का निर्माण होता है। बच्चे इस श्रेणी की अद्वैत कही है। प्रारंभिक शिक्षा की सुव्यवस्था ये मेरी सरकार की प्राथमिकता है। मेरी सरकार बच्चों को निशुल्क पाठ्य-पुस्तकें एवं नियमित गुणवत्तापूर्ण दोपहर का भोजन उपलब्ध कराने तथा उनके पढन-पाठन की समुचित व्यवस्था हेतु कृतसंकल्प है।

नया शैक्षिक सत्र 01 अप्रैल, 2015 से प्रारम्भ हो रहा है। घर-घर जाकर अभिमानों को जागरूक करने, उन्हें शिक्षा के महत्त्व से परिचित कराने, अधिकाधिकारी बालक-बालिकाओं का नामांकन कराने एवं उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से मेरी सरकार द्वारा 01 मार्च से 31 मार्च 2015 तक प्रदेश में "स्कूल चलो अभियान" संचालित किया जा रहा है।

सम्मानित जनप्रतिनिधि होने के नाते "स्कूल चलो अभियान" को सफल बनाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत आपसे अनुरोध है कि कृपया इस पुनीत कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें जिससे अधिकाधिक बच्चों का विद्यालय में प्रवेश तथा उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हम सबके इस प्रयास से सर्व शिक्षा अभियान को सफलतापूर्वक लागू करने तथा प्रदेश में साक्षरता दर को बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

सादर,

भवदीय,

(अखिलेश यादव)

मात्र सदस्य
विधान सभा/विधान परिषद
उत्तर प्रदेश
प्रिय महोदय / महोदया,

आप अवगत हैं कि संविधान में 6-14 वर्ष तक के बच्चों को निश्चित और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था है। अतः हमारा यह नैतिक दायित्व है कि उक्त आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को विद्यालय में प्रवेश दिला कर प्रारंभिक शिक्षा सुलभ करायी जाय। शिक्षा से न केवल बौद्धिक विकास होता है अपितु सुहितवादिता एवं अधिवेशन से मुक्त एक बेहतर समाज का निर्माण होता है। बच्चे इस श्रंखला की अदृष्ट कही है। प्रारंभिक शिक्षा की सुविधामें से राष्ट्र की प्राधिकता है। मेरी सरकार बच्चों को निश्चित पादय-पुस्तकें एवं नियमित गुणवत्तापूर्वक दोपहर के भोजन उपलब्ध कराने तथा उनके पदनाम एवं पाठन नाम की सामुदायिक व्यवस्था हेतु कृतसंकल्प रहे।

नया शैक्षिक सत्र 01 अप्रैल, 2015 से प्रारम्भ हो रहा है। घर-घर जाकर अभिभावकों को जागरूक करने, उन्हें शिक्षा के महत्त्व से परिचित कराने, अधिकारिक बालक-बालिकाओं का नामांकन कराने एवं उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने हेतु विशेष दर्ज करने के उद्देश्य से मेरी सरकार द्वारा 01 मई से 31 मई 2015 तक प्रदेश में "स्कूल चलो अभियान" संचालित किया जा रहा है।

सम्मानित जनप्रतिनिधि होने के नाते "स्कूल चलो अभियान" को सफल बनाने में आपकी महत्वपूर्ण सहायता अपने अनुरोध है कि कृपया इस पुनीत कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का कदम उठें जिससे अधिकारिक बच्चों का विद्यालय में प्रवेश तथा उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हम सबके इस प्रयास से सर्व शिक्षा अभियान को सफलतापूर्वक लागू करने तथा प्रदेश में साक्षरता दर को बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(अखिलेश यादव)

मातो अध्यक्ष, सिला पंचायत
उत्तर प्रदेश
प्रिय मोहदय/महोदया,

आप अवगत हैं कि संविधान में 6-14 वर्ष तक के बच्चों को निष्कल्क और अनिवार्य शिक्षा की अवस्था है। अत: हमारा यह नैतिक दायित्व है कि उक्त आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को विद्यालय में प्रवेश दिला कर प्रारम्भिक शिक्षा सुलभ करायी जाय। शिक्षा से न केवल बौद्धिक विकास होता है अपनु रुढ़िवादिता एवं अधिकारियों से मुक्त एक बेहतर समाज का निर्माण होता है। बच्चे इस अंखला की अदृश्त कही है। प्रारम्भिक शिक्षा की मुख्यमता मेरी सरकार की प्राधिकता है। मेरी सरकार बच्चों को निष्कल्क पादय-पुस्तकें एवं नियमित गुणवत्तापूर्वक दोपहर का भोजन उपलब्ध कराने तथा उनके पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था हेतु कृतसंकल्प है।

नया शैक्षिक सत्र 01 अप्रैल, 2015 से प्रारंभ हो रहा है। घर-घर जाकर अभिमानकों को जागरूक करने, उन्हें शिक्षा के महत्व से परिचित कराने, अधिकारिक बच्चे-बालिकाओं का नामांकन कराने एवं उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से मेरी सरकार द्वारा 01 मार्च से 31 मार्च 2015 तक प्रदेश में "स्कूल चलो अभियान" संचालित किया जा रहा है।

सम्मानित जनप्रतिनिधि होने के नाते "स्कूल चलो अभियान" को सफल बनाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिकोण आपसे अनुरोध है कि कृपया इस पुनरीत कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का कष्ट करे जिससे अधिकारिक बच्चों का विद्यालय में प्रवेश तथा उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

गुरूः आप शाया ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हम सबके इस प्रयास से सर्वे शिक्षा अभियान को सफलतापूर्वक लागू करने तथा प्रदेश में साक्षरता दर को बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(अखिलेश यादव)

मा० अध्यक्ष, नगर पंचायत/नगरपालिका,
उत्तर प्रदेश
प्रिय महोदय/महोदया,

आप अवगत हैं कि संविधान में 6-14 वर्ष तक के बच्चों को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था है। अतः हमारा यह नैतिक दायित्व है कि उक्त आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को विद्यालय में प्रवेश दिला कर प्रारंभिक शिक्षा सुलभ करायी जाय। शिक्षा से न केवल बौद्धिक विकास होता है अपितु सुधिवादिता एवं अंतविश्वास से मुक्त एक बेहतर समाज का निर्माण होता है। बच्चे इस श्रंखला की अटूट कड़ी है। प्रारंभिक शिक्षा की सुव्यवस्था भी श्रेष्ठ सरकार की प्राथमिकता है। मेरी सरकार बच्चों को निशुल्क पादय-पुस्तक एवं नियमित गुणवत्तायुक्त दोपहर का भोजन उपलब्ध कराने तथा उनके पतन-पाठन की समुचित व्यवस्था हेतु कृतसंकल्प है।

नया शैक्षिक साल 01 अप्रैल, 2015 से प्रारम्भ हो रहा हैं। घर-घर जाकर अभिमानकों को जागरूक करने, उन्हें शिक्षा के महत्व से परिचित कराने, अधिकाधिक बाल-बालिकाओं का नामांकन कराने एवं उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से मेरी सरकार द्वारा 01 मार्च से 31 मार्च 2015 तक प्रदेश में "स्कूल चलो अभियान" संचालित किया जा रहा है।

समानान्त जनप्रतिविधि होने के नाते "स्कूल चलो अभियान" को सफल बनाने में आपकी महत्वपूर्ण मूलिका के दृष्टिगत आपसे अनुसरण है कि कृपया इस पुनर्गत कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का क़दम करें जिससे अधिकाधिक बच्चो का विद्यालय में प्रवेश तथा उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हम सबके इस प्रयास से सर्व शिक्षा अभियान को सफलतापूर्वक लामू करने तथा प्रदेश में साक्षरता दर को बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(अखिलेश यादव)

प्रमुख क्षेत्र पंचायत,
उत्तर प्रदेश।
प्रिय महोदय/महोदया,

आप अवगत हैं कि संविधान में 6-14 वर्ष तक के बच्चों को निषुल्क और अनिवार्य शिक्षा की आवश्यकता है। अतः हमारा यह नैतिक दायित्व है कि उक्त आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को विद्यालय में प्रवेश दिला कर प्रारंभिक शिक्षा सुलभ करायी जाय। शिक्षा से न केवल बौद्धिक विकास होता है अपितु सूक्ष्मविवेदिता एवं अंतर्विश्वास से मुक्त एक भेदतर समाज का निर्माण होता है। बच्चे इस श्रंखला की अदृश्य कड़ी है। प्रारंभिक शिक्षा की सुविधा मेरी सरकार की प्राथमिकता है। मेरी सरकार बच्चों को निषुल्क पादय-पास्तकें एवं नियमित गुणवत्तायुक्त दोपहर का भोजन उपलब्ध कराने तथा उनके पढन-पाठन की समुचित व्यवस्था हेतु कृतसंकल्प है।

नया शैक्षिक सत्र 01 अप्रैल, 2015 से प्रारंभ हो रहा हैं। देश-देश जाकर अभिमानीकों को जागरूक करने, उन्हें शिक्षा के महत्व से परिचित कराने, अधिकारिक बालक-बालिकाओं का नामांकन कराने एवं उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से मेरी सरकार द्वारा 01 मार्च से 31 मार्च 2015 तक प्रदेश में "स्कूल चलो अभियान" संचालित किया जा रहा है।

सम्मानित जनप्रतिनिधि होने के नाते "स्कूल चलो अभियान" को सफल बनाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका को दृष्टिगत आपसे अनुरोध है कि कृपया इस पुनीत कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें जिससे अधिकारिक बच्चों का विद्यालय में प्रवेश तथा उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

मुख्य अधीन के लिए हम सबके इस प्रयास से सर्व शिक्षा अभियान को सफलतापूर्वक लागू करने तथा प्रदेश में साक्षरता दर को बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(अखिलेश यादव)

समस्त ग्राम प्रदेश
उत्तर प्रदेश।
प्रिय महोदय/महोदया,

आप अवगत हैं कि संविधान में 6-14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था है। अतः हमारा यह नैतिक दायित्व है कि उक्त आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को विद्यालय में प्रवेश दिला कर प्राथमिक शिक्षा सुलभ करायी जाय। शिक्षा से न केवल बौद्धिक विकास होता है अतः रुढ़िवादिता एवं अंधविश्वास से मुक्त एक बेहतर समाज का निर्माण होता है। बच्चे इस श्रंखला की अदूरता कही है। प्राथमिक शिक्षा की सुव्यवस्था मेरी सरकार की प्राथमिकता है। मेरी सरकार बच्चों को निःशुल्क पादय-पुस्तकें एवं नियमित गुणवत्तापूर्वक दोपहर का भोजन उपलब्ध कराने तथा उनके पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था हेतु कृतसंकल्प है।

नया शैक्षिक सत्र 01 अप्रैल, 2015 से प्रारंभ हो रहा है। घर-घर जाकर अभिभावकों को जागरूक करने, उन्हें शिक्षा के महत्व से परिचित कराने, अधिकाधिक बालक-बालिकाओं का नामांकन कराने एवं उन्हें नियमित रूप से विद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से मेरी सरकार द्वारा 01 मार्च से 31 मार्च 2015 तक प्रदेश में \"स्कूल चलो अभियान\" संचालित किया जा रहा है।

सम्मानित जनप्रतिनिधियों होने के नाते \"स्कूल चलो अभियान\" को सफल बनाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत आपसे अनुरोध है कि इस पुनीत कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें जिससे अधिकाधिक बच्चों का विद्यालय में प्रवेश तथा उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हम सबके हुआ प्रयास से सर्व प्रशिक्षा अभियान को सफलतापूर्वक लाना सकते हैं तथा प्रदेश में साक्षरता दर को बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(अखिलेश यादव)

समस्त आयुक्त, विद्यालय प्रबंध समिति, प्राथमिक/उच्च प्राथमिक, परिषदी विद्यालय, उत्तर प्रदेश।